भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3886

बुधवार, 11 दिसम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

चीन के स्थान पर भारत में निवेश होना

3886. श्री टी.आर.वी.एस. रमेशः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश में निवेश आकर्षित करने के लिए की गई विशेष नीतिगत पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ऐसी कंपनियों के कोई आंकड़े हैं जिन्होंने चीन के स्थान पर भारत में अपना बेस स्थानांतरित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त पहलों का क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) सरकारी क्षेत्र की कंपनियों में प्रस्तावित 70,000 करोड़ रुपए के निवेश में से अभी तक किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है; और

(घ) कॉर्पोरेट कर में कटौती करके मई 2019 से अभी तक किये गए अतिरिक्त निवेशों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) : सरकार ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए उदार और पारदर्शी नीति लागू की है जिसके अंतर्गत अधिकांश क्षेत्रों को स्वत: अनुमोदन मार्ग के तहत एफडीआई के लिए खोल दिया गया है। सरकार निरंतर आधार पर एफडीआई नीति की समीक्षा करती है तथा समय-समय पर इसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन करती है ताकि भारत को आकर्षक और निवेशक अनुकूल स्थल बनाए रखा जा सके। सरकार की कोशिश रही है कि एक सक्षम और निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति बनाई जाए। इसका उद्देश्य एफडीआई नीति को निवेशक के अधिक अनुकूल बनाना तथा नीतिगत बाधाओं को दूर करना जो देश में निवेश के अंतर्वाह में रुकावट पैदा कर रहे हैं।

(ख): ऐसे आंकड़े केंद्रीय स्तर पर नहीं रखे जाते हैं।

(ग): सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों हेतु केन्द्रीय बजट में 70,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से अब तक 60,314 करोड़ रुपये की राशि बैंकों को दी जा चुकी है।

(घ): कॉर्पोरेट कर में कटौती से देश में हुए अतिरिक्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का ब्यौरा केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है। तथापि, एफडीआई अंतर्वाह में वर्ष-वार वृद्धि निम्नलिखित तालिका में देखी जा सकती हैः

क्र. सं.	**वित्तीय वर्ष**	**एफडीआई अन्तर्वाह की राशि (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)**
1	2015-16	55.56
2	2016-17	60.22
3	2017-18(अ)	60.97
4	2018-19(अ)	62.00

स्रोतः भारतीय रिजर्व बैंक

(अ) - आंकड़े अनंतिम हैं।

*****